



RJS PAPERS 2025 LINKING WEIGHTAGE ANALYSIS

Exam Date : 27-07-2025

Sr. No.	Subjects	Ques. No	Total Q.
I. Civil Major Law			
I.	Constitution of India	14, 20	2
II.	Civil Procedure Code, 1908	1, 7, 18, 27	4
II. Criminal Major Law			
III.	Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 (IPC, 1860)	38, 39, 42, 48 51, 52, 53, 54 60, 68	10
IV.	Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita 2023 (CrPC, 1973)	36, 43, 49, 59, 61, 62, 66, 67	8
V.	Bharatiya Sakshya Adhinyam, 2023 (IEA, 1872)	8, 16, 23, 24, 30, 45, 46, 56, 65	9
III. Family Law			
VI.	Hindu Laws	3, 9, 19, 34	4
VII.	Mohammaden Law	5, 12, 26	3
IV. Civil Minor Law			
VIII.	Indian Contract Act, 1872	31, 35	2
IX.	Transfer of Property Act, 1882	13, 22, 29	3
X.	Limitation Act, 1963	6, 28	2
XI.	Specific Relief Act, 1963	10, 17	2
XII.	Negotiable Instrument Act, 1881	50, 70	2
XIII.	Interpretation of Statutes	4	1
XIV.	Partnership Act, 1932	-	-
XV.	Sale of Goods Act, 1930	2, 32	2
XVI.	Registration Act, 1908	11	1
V. Criminal Minor Law			
XVII.	Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005	58	1
XVIII.	Probation of Offenders Act, 1958	40	1
XIX.	POCSO Act, 2012	63	1
XX.	Sexual Harassment Of Women At Workplace Act, 2013	69	1
XXI.	Indecent Representation Of Women Act, 1986	47	1
XXII.	Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015	37, 57	2
VI. Technical Law			
XXIII.	Information Technology Act, 2000	64	1
VII. Local Law			
XXIV.	Rajasthan Rent Control Act, 2001	21, 33	2
XXV.	Rajasthan Court Fees & Suits Valuation Act, 1961,	15	1
XXVI.	Rajasthan Land Revenue Act, 1956	25	1
XXVII.	Rajasthan Excise Act, 1950	41, 44, 55	3
VIII. Others (GK/GS / Language / Computer)			
XXVIII.	English Language	86-100	15
XXIX.	Hindi Language	71-85	15
Total			100





RAJASTHAN JUDICIAL SERVICE (RJS) PRELIMS 2025

1. A decree is passed by the Civil Judge, Ajmer. Later on, on account of creation of new district namely Beawar, local jurisdiction has been changed and now, the land in question comes under the jurisdiction of Civil Judge, Beawar. Which of the following courts, have jurisdiction to execute such decree? / सिविल जज अजमेर द्वारा एक डिक्री पारित की जाती है। बाद में, ब्यावर नाम से नया जिला बन जाने के कारण, स्थानीय क्षेत्राधिकार बदल गया तथा अब, प्रश्रगत सम्पत्ति सिविल जज, ब्यावर के क्षेत्राधिकार में आती है। निम्न में से कौनसा न्यायालय, ऐसी डिक्री के निष्पादन का क्षेत्राधिकार रखता है?

- (1) Civil Judge Ajmer only / केवल सिविल जज अजमेर
- (2) Civil Judge Beawar only / सिविल जज अजमेर एवं ब्यावर दोनों
- (3) Both Civil Judge Ajmer and Beawar / केवल सिविल जज ब्यावर
- (4) Neither Civil Judge Ajmer nor Civil Judge Beawar but the jurisdiction is to be decided by the High Court न तो सिविल जज अजमेर ना ही सिविल जज ब्यावर बल्कि क्षेत्राधिकार का निर्धारण उच्च न्यायालय द्वारा किया जाएगा।

Ans. [3]

2. Which of the following statement is not correct with regard to the payment and delivery under the Sale of Goods Act, 1930? / माल विक्रय अधिनियम, 1930 के अंतर्गत, परिदान और संदाय के संदर्भ में कौनसा कथन सही नहीं है?

- (1) Unless otherwise agreed, delivery of the goods and payment of the price are concurrent conditions. / जब तक कि अन्यथा करार न हुआ हो, माल का परिदान और कीमत का संदाय समवर्ती शर्तें हैं।
- (2) Delivery of goods sold may be made by doing anything which the parties agree shall be treated as delivery or which has the effect of putting the goods in the possession of the buyer or of any person authorised to hold them on his behalf. / विक्रीत माल का परिदान ऐसा कोई काम करके किया जा सकेगा जिसके बारे में पक्षकारों में करार हो कि वह परिदान माना जाएगा या जो माल पर क्रेता का या उसकी ओर से धारित करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति का कब्जा करा देने का प्रभाव रखता हो।
- (3) A delivery of part of goods, in progress of the delivery of the whole, has the same effect, for the purpose of passing the property in such goods, as a delivery of the whole; but a delivery of part of the goods, with an intention of severing it from the whole, does not operate as a delivery of the remainder. / सम्पूर्ण माल का परिदान चालू रखने के दौरान में माल के भाग का परिदान ऐसे माल में की सम्पत्ति के संक्रमण के प्रयोजन के लिए वही प्रभाव रखता है जो सम्पूर्ण का परिदान किन्तु माल के भाग का ऐसा परिदान जो उसे सम्पूर्ण के पृथक करने के आशय से किया जाए शेष के परिदान के रूप में प्रवृत्त नहीं होगा।
- (4) Apart from any express contract, the seller of goods is bound to deliver them without waiting

the buyer to apply for delivery. / कोई अभिव्यक्त संविदा न हो, माल का विक्रेता, क्रेता द्वारा परिदान के लिए आवेदन करने का इंतजार किए बिना, उसका परिदान करने के लिए आबद्ध है।

Ans. [4]

3. According to the provisions of the Hindu Minority and Guardianship Act, 1956, who is the natural guardian of an adopted son who is a minor? / हिन्दू अप्राप्तव्यता और संरक्षण अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुसार, एक दत्तक पुत्र जो अप्राप्तवय हो, का नैसर्गिक संरक्षक कौन होगा?

- (1) The adoptive father and after him the adoptive mother. / दत्तक पिता और उसके बाद दत्तक माता।
- (2) The adoptive mother and after him the adoptive father. / दत्तक माता और उसके बाद दत्तक पिता।
- (3) Amongst the adoptive father or mother, on whose instance, the adoption was made. / दत्तक पिता या माता में से वह जिसकी प्रेरणा पर दत्तक ग्रहण किया गया है।
- (4) Natural guardianship will always remain with the natural guardians. / नैसर्गिक संरक्षकता हमेशा प्राकृतिक माता-पिता की ही रहेगी।

Ans. [1]

4. Rule of Heydon's case is known as - / "Heydon's case" का नियम कहलाता है -

- (1) Mischief Rule / रिष्टि का नियम
- (2) Golden Rule of Interpretation / निर्वचन का स्वर्णिम नियम
- (3) Rule of Ejusdem Generis / एज्यूसडेम जेनेरिस का नियम
- (4) Rule of Reasonable Construction / युक्तियुक्त व्याख्या का नियम

Ans. [1]

5. Under Mohammedan law, a marriage with a woman undergoing "iddat" is - / मुस्लिम विधि के अन्तर्गत, "इद्दत" से गुजर रही महिला से विवाह है

- (1) A valid marriage / एक वैध विवाह
- (2) A void marriage / एक अवैध विवाह
- (3) An irregular marriage / एक अनियमित विवाह
- (4) A marriage which is ab initio void / एक विवाह जो आरम्भ से ही शून्य है

Ans. [*]

6. For the purposes of the Limitation Act, 1963, a suit is instituted, in the case of a claim against a company which is being wound up by the court, when - / परिसीमा अधिनियम, 1963 के प्रयोजनों से, वाद की संस्थिति, उस कम्पनी के विरुद्ध दावे की दशा में जिसका न्यायालय द्वारा परिसमापन किया जा रहा हो, तब होती है जब

- (1) the claimant first sends in his claim to the official liquidator. / दावेदार के दावे का परिदान शासकीय समापक को पहली बार कारित किया जाता है।





- (2) the claim is accepted by the official liquidator. / दावा शासकीय समापक द्वारा स्वीकार किया जाता है।
- (3) the official liquidator took cognizance of the claim send to him by the claimant. / शासकीय समापक दावेदार के दावे का पहली बार संज्ञान लेता है।
- (4) the official liquidator issue notice to the opposite party. / शासकीय समापक द्वारा विरोधी पक्षकार को नोटिस जारी किया जाता है।

Ans. [1]

7. Under the provisions of the section 133 of the Code of Civil Procedure, 1908, which amongst the following is not entitled for exemption from personal appearance? / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 133 के प्रावधानों के अन्तर्गत, निम्न में से कौन स्वीय उपसंज्ञाति से छूट पाने का हकदार नहीं है?

- (1) The Vice-President of India / भारत का उप-राष्ट्रपति
- (2) The Prime Minister of India / भारत का प्रधानमंत्री
- (3) The Ministers of States / राज्यों के मंत्री
- (4) The Deputy Speaker of the House of the People / लोकसभा का उपाध्यक्ष

Ans. [4]

8. Which of the following statement is not correct with regard to "Primary Evidence"? / "प्राथमिक साक्ष्य" के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है?

- (1) Where a document is executed in counterpart, each counterpart being executed by one or some of the parties only, each counterpart is primary evidence as against the parties executing it. / जहां कोई दस्तावेज प्रतिलेख में निष्पादित है और प्रत्येक प्रतिलेख पक्षकारों में से केवल एक पक्षकार या कुछ पक्षकारों द्वारा निष्पादित किया गया है, वहां प्रत्येक प्रतिलेख उन पक्षकारों के विरुद्ध, जिन्होंने उसका निष्पादन किया है, प्राथमिक साक्ष्य है।
- (2) Where a number of documents are all made by one uniform process, as in the case of printing, lithography or photography, each is primary evidence of the contents of the rest; and even if they are all copies of a common original, they are the primary evidence of the contents of the original. / जहां अनेक दस्तावेज एकरूपात्मक प्रक्रिया द्वारा बनाए गए हैं जैसा कि मुद्रण, शिला मुद्रण या फोटो चित्रण में होता है, वहां उनमें से प्रत्येक शेष सबकी अन्तर्वस्तु का प्राथमिक साक्ष्य है एवं यहां तक कि यदि वे सब किसी एक ही मूल की प्रतियां हैं, वहां वे मूल की अन्तर्वस्तु का प्राथमिक साक्ष्य हैं।
- (3) Where an electronic or digital record is created or stored, and such storage occurs simultaneously or sequentially in multiple files, each such file is primary evidence. / जहां कोई इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल अभिलेख सृजित या संग्रहित किया जाता है और ऐसा संग्रह एक साथ या पश्चातवर्ती रूप से अनेक फाइलों में किया जाता है, उनमें से प्रत्येक फाइल प्राथमिक साक्ष्य है।
- (4) All the above are correct. / उपरोक्त सभी सही हैं।

Ans. [2]

9. According to The Hindu Marriage Act, 1955, "Saptapadi" means / हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 के अनुसार, "सप्तपदी" से अभिप्रेत है

- (1) the taking of seven steps by the bridegroom and the bride wherein for three steps bridegroom will walk behind the bride and for four steps bride will walk behind the bridegroom. / वर एवं वधू द्वारा सात पद चलना जिनमें से तीन पद वर, वधू के पीछे चलेगा एवं चार पद वधू, वर के पीछे चलेगी।
- (2) the taking of seven steps by the bridegroom and the bride wherein for three steps bride will walk behind the bridegroom and for four steps bridegroom will walk behind the bride. / वर एवं वधू द्वारा सात पद चलना जिनमें से तीन पद वधू वर के पीछे चलेगी एवं चार पद वर, वधू के पीछे चलेगा।
- (3) the taking of seven steps by the bridegroom and the bride jointly before the sacred fire. / अग्नि के समक्ष वर और वधू द्वारा संयुक्ततः सात पद चलना।
- (4) the taking of seven rounds by the bridegroom and the bride jointly around the sacred fire. / वर और वधू द्वारा संयुक्ततः अग्नि के सात चक्कर लगाना।

Ans. [3]

10. In determining the amount of any compensation awarded under section 21 of the Specific Relief Act, 1963, the court shall be guided by the principles specified in / विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 की धारा 21 के अधीन प्रतिकर के निर्धारण में न्यायालय विनिर्दिष्ट सिद्धान्तों से मार्गदर्शित होगा।

- (1) Section 39 of the Indian Contract Act, 1872 / भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 की धारा 39
- (2) Section 53 of the Indian Contract Act, 1872 / भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 की धारा 53
- (3) Section 54 of the Indian Contract Act, 1872 / भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 की धारा 54 में
- (4) Section 73 of the Indian Contract Act, 1872 / भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 की धारा 73

Ans. [4]

11. Under the provisions of the Registration Act, 1908, a will may be presented or deposited for registration -- / रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के प्रावधानों के अन्तर्गत, एक वसीयत को पंजीकरण हेतु प्रस्तुत या जमा किया जा सकता है

- (1) within three months of its execution / इसके निष्पादन के तीन माह के भीतर
- (2) within three years of its execution / इसके निष्पादन के तीन वर्ष के भीतर
- (3) within twelve years of its execution at any time / इसके निष्पादन के बारह वर्ष के भीतर
- (4) at any time / किसी भी समय

Ans. [4]





12. Under Mohammedan Law, an acknowledgment of a debt made during death-illness in favour of an heir / मुस्लिम विधि के अन्तर्गत, मृत्यु शैय्या के दौरान उत्तराधिकारी के पक्ष में ऋण की अभिस्वीकृति

- (1) is a valid proof and the same may be satisfied from the property of the deceased. / वैध प्रमाण है और उसकी तुष्टि मृतक की सम्पत्ति से की जा सकती है।
- (2) is no proof at all of the debt and no effect can be given. / किसी भी प्रकार से ऋण का प्रमाण नहीं है एवं कोई प्रभाव नहीं दिया जा सकता।
- (3) is a valid proof but the same may be satisfied only if, after payment of funeral expenses and debts, sufficient property remains to satisfy the same. / वैध प्रमाण है परन्तु इसकी तुष्टि तभी की जा सकती है जबकि ऋण एवं अंतिम संस्कार के खर्च के भुगतान के बाद, इसे तुष्ट करने हेतु पर्याप्त सम्पत्ति शेष बचती है।
- (4) is a valid proof only if deceased made a written acknowledgement in the presence of 2 witness, otherwise, the same is of no value. / केवल तभी वैध प्रमाण है जबकि मृतक ने दो गवाहों के समक्ष लिखित अभिस्वीकृति की हो, अन्यथा, इसका कोई मूल्य नहीं है।

Ans. [2]

13. Under the provisions of the Transfer of Property Act, 1882, unless there is something repugnant in the subject or context, "immoveable property" / सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 के प्रावधानों के अन्तर्गत, जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई बात विरुद्ध Didwag न हो. "स्थावर सम्पत्ति" में

- (1) includes standing timber. / खड़ा काष्ठ आता है।
- (2) includes standing timber and growing crops. / खड़ा काष्ठ और उगति फसलें आती हैं।
- (3) includes standing timber, growing crops and grass. / खड़ा काष्ठ, उगति फसलें और घास आती है।
- (4) does not include standing timber, growing crops and grass. / खड़ा काष्ठ, उगति फसलें और घास नहीं आती है।

Ans. [4]

14. Which of the following writs means, "Quashing an order passed by a lower court that was without jurisdiction or against the principles of natural justice."? / निम्न में से कौनसी रिट का तात्पर्य, "किसी निचली अदालत द्वारा पारित उस आदेश को रद्द करना जो क्षेत्राधिकार के बाहर था या प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्तों के विरुद्ध था।" है?

- (1) Habeas Corpus / बंदी प्रत्यक्षीकरण
- (2) Mandamus / परमादेश
- (3) Quo Warranto / अधिकार पृच्छा
- (4) Certiorari / उत्प्रेषण

Ans. [4]

15. Under what circumstances a document which is chargeable with fee under Rajasthan Court Fee and Suit Valuation Act, 1961, can be filed or exhibited in

any court including the High Court, without payment of a fee of an amount not less than that indicated as chargeable under the said act? / किन परिस्थितियों में, कोई भी दस्तावेज जिस पर राजस्थान न्यायालय फीस और वाद मूल्यांकन अधिनियम, 1961 के अधीन फीस प्रभार्य है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभार्य फीस से अन्यून फीस को संदत्त किए बिना, उच्च न्यायालय सहित किसी भी न्यायालय में प्रस्तुत या प्रदर्शित की जा सकती है?

- (1) Whenever the filing or exhibition in a Criminal Court of a document, is in the opinion of the Court necessary to prevent a failure of justice. / जब कभी दण्ड न्यायालय की राय में, न्याय की विफलता को रोकने के लिए ऐसे दस्तावेज की प्रस्तुति या प्रदर्शित करना आवश्यक हो ।
- (2) Whenever the filing or exhibition in a Civil Court of a document, is in the opinion of the Court necessary to prevent a failure of justice. / जब कभी सिविल न्यायालय की राय में, न्याय की विफलता को रोकने के लिए ऐसे दस्तावेज की प्रस्तुति या प्रदर्शित करना आवश्यक हो ।
- (3) Whenever the filing or exhibition in a Revenue Court of a document, is in the opinion of the Court necessary to prevent a failure of justice. / जब कभी राजस्व न्यायालय की राय में, न्याय की विफलता को रोकने के लिए ऐसे दस्तावेज की प्रस्तुति या प्रदर्शित करना आवश्यक हो ।
- (4) All the above are correct. / उपरोक्त सभी सही हैं

Ans. [1]

16. In which of the following cases, notice to produce secondary evidence is required? / निम्न में से किस मामले में, द्वितीयक साक्ष्य प्रस्तुत करने की सूचना आवश्यक है?

- (1) When the document to be proved is itself a notice. / जब साबित किया जाने वाला दस्तावेज स्वयं एक सूचना है।
- (2) When, from the nature of the case, the adverse party must know that he will be required to produce it. / जब प्रतिपक्षी को मामले की प्रकृति से यह जानना ही हो कि उसे प्रस्तुत करने की उससे अपेक्षा की जाएगी।
- (3) When it appears or is proved that the adverse party has obtained possession of the original by fraud or force. / जबकि यह प्रतीत होता है या साबित किया जाता है कि प्रतिपक्षी ने मूल पर कब्जा कपट या बल द्वारा अभिप्राप्त किया है।
- (4) When the adverse party or his agent has denied the loss of the document. / जबकि प्रतिपक्षी या उसके अभिकर्ता ने दस्तावेज के खो जाने से इन्कार कर दिया है।

Ans. [4]

17. Any person interested in a contract may sue to have it rescinded, and such rescission may be adjudged by the court, on which of the following ground? / किसी संविदा में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति उसे विखंडित कराने के लिए निम्न में से किस आधार पर वाद ला सकेगा तथा ऐसा विखंडन न्यायालय द्वारा न्यायनिर्णित किया जा सकेगा?





- (1) where the contract is not voidable or terminable by the plaintiff. / जहाँ कि संविदा वादी द्वारा शून्यकरणीय या पर्यवसेय न हो।
- (2) where the contract is lawful for causes apparent on its face and the plaintiff is more to blame than the defendant. / जहाँ कि संविदा ऐसे हेतुकों से विधि विरुद्ध हो जो उसे देखने ही से प्रकट है और वादी का दोष प्रतिवादी से अधिक हो।
- (3) where the contract is voidable or terminable by the plaintiff. / जहाँ कि संविदा वादी द्वारा शून्यकरणीय या पर्यवसेय हो।
- (4) None of the above. / उपरोक्त में से कोई नहीं।

Ans. [3]

18. Which of the following is the best suited answer to fill in the blank of the statement below?

Where the registered address of a party is discovered by the Court to be incomplete, false or fictitious, the Court may, either on its own motion, or on the application of any party, order -----

निम्न में से कौनसा रिक्त स्थान भरने के लिए सबसे उपयुक्त उत्तर है? जहाँ न्यायालय को यह पता चलता है कि किसी पक्षकार का पंजीकृत पता अधूरा, मिथ्या या काल्पनिक है वहाँ न्यायालय या तो स्वप्रेरणा पर या किसी पक्षकार के आवेदन पर

- (1) in the case where such registered address was furnished by a defendant, his defence be struck out and he be placed in the same position as if he had not put up any defence. / ऐसे मामले में जहाँ ऐसा रजिस्ट्रीकृत पता प्रतिवादी द्वारा दिया गया था वहाँ उसकी प्रतिरक्षा काट दी जाएगी और वह उसी स्थिति में रखा जाएगा मानो उसने कोई प्रतिरक्षा पेश नहीं की हो।
- (2) in the case where such registered address was furnished by a plaintiff, stay of the suit. / ऐसे मामले में जहाँ रजिस्ट्रीकृत पता वादी द्वारा दिया गया था वहाँ वाद के रोके जाने का आदेश दे सकेगा।
- (3) Both (1) & (2) are correct. / (1) तथा (2) दोनों सही हैं।
- (4) Both (1) & (2) are incorrect. / (1) तथा (2) दोनों गलत हैं।

Ans. [3]

19. Who amongst the following is not heir in Class 1 of the Schedule of the Hindu Succession Act, 1956? / हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की अनुसूची में, निम्न में से कौन वर्ग 1 का उत्तराधिकारी नहीं है?

- (1) Son of a pre-deceased son of a pre-deceased son / पूर्वमृत पुत्र के पूर्वमृत पुत्र का पुत्र
- (2) Daughter of a pre-deceased daughter of a pre-deceased son / पूर्वमृत पुत्र की पूर्वमृत पुत्री की पुत्री
- (3) Father / पिता
- (4) Mother / माता

Ans. [3]

20. Which of the following statement is correct with regard to the provision regarding submission of resignation by a Judge of Supreme Court of India?

/ भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा त्यागपत्र प्रस्तुत करने के प्रावधान के संदर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सही है?

- (1) A Judge of Supreme Court, may, by writing under his hand addressed to the President, resign his office. / उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश राष्ट्रपति को संबोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा पद त्याग सकेगा।
- (2) A Judge of Supreme Court, may, by writing under his hand addressed to the Chief Justice of India, resign his office. / उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश भारत के मुख्य न्यायाधीश को संबोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा पद त्याग सकेगा।
- (3) A Judge of Supreme Court, may, by announcing the same in the open court during court hours, resign his office. / उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश न्यायालय समय में खुले न्यायालय में उद्घोषणा द्वारा पद त्याग सकेगा।
- (4) A Judge of Supreme Court, may, by writing under his hand addressed to the Central Council of Ministers, resign his office. / उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश केन्द्रीय मंत्रि-परिषद को संबोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा पद त्याग सकेगा।

Ans. [1]

21. According to the provisions of the Rajasthan Rent Control Act, 2001, an appeal filed in the Appellate Rent Tribunal shall be decided within -----/ राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 के प्रावधानों के अनुसार, अपील किराया अधिकरण में प्रस्तुत अपील का निपटारा -----

- (1) a period of one hundred and eighty days from the date of service of notice of appeal on the respondent. / प्रत्यर्थी पर अपील के नोटिस की तामील की दिनांक से एक सौ अस्सी दिन की कालावधि के भीतर-भीतर किया जाएगा।
- (2) a period of one hundred and eighty days from the date of the order passed by Rent Tribunal./ किराया अधिकरण द्वारा पारित निर्णय की दिनांक से एक सौ अस्सी दिन की कालावधि के भीतर-भीतर किया जाएगा।
- (3) a period of one year from the date of service of notice of appeal on the respondent. / प्रत्यर्थी पर अपील के नोटिस की तामील की दिनांक से एक वर्ष की कालावधि के भीतर-भीतर किया जाएगा।
- (4) a period of one year from the date of the order passed by Rent Tribunal. / किराया अधिकरण द्वारा पारित आदेश की दिनांक से एक वर्ष की कालावधि के भीतर-भीतर किया जाएगा।

Ans. [1]

22. Under the provisions of the Transfer of Property Act, 1882, "Sale" means / सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 के प्रावधानों के अन्तर्गत, "विक्रय" से अभिप्रेत है

- (1) a transfer of ownership, in exchange for a price paid but it does not include the price which has been promised. / "विक्रय" ऐसी कीमत के बदले में स्वामित्व





- का अन्तरण है जो दी जा चुकी हो, परन्तु इसमें ऐसी कीमत शामिल नहीं है जिसे देने का वचन दिया गया है।
- (2) a transfer of ownership in exchange for a price paid or promised but it does not include the price partly-paid and partly-promised. / "विक्रय" ऐसी कीमत के बदले में स्वामित्व का अन्तरण है जो दी जा चुकी हो, या जिसके देने का वचन दिया गया हो परन्तु इसमें ऐसी कीमत शामिल नहीं है जिसका कोई भाग दे दिया गया हो और किसी भाग के देने का वचन दिया गया हो।
 - (3) a transfer of ownership in exchange for a price paid or promised or part-paid and part-promised. / "विक्रय" ऐसी कीमत के बदले में स्वामित्व का अन्तरण है जो दी जा चुकी हो, या जिसके देने का वचन दिया गया हो या जिसका कोई भाग दे दिया गया हो और किसी भाग के देने का वचन दिया गया हो।
 - (4) just a receipt of a price of property, which has no relation with the transfer of ownership. / "विक्रय" केवल सम्पत्ति की कीमत की प्राप्ति है, जिसका स्वामित्व के अन्तरण से कोई सम्बन्ध नहीं है।

Ans. [3]

23. 'Saleem' sells 'Babloo' a horse and verbally warrants him sound. 'Saleem' gives 'Babloo' a paper in these words: "Bought of 'Saleem' a horse of Rs. 500." Examine the correct answer. / 'बबलू' को 'सलीम' एक घोड़ा बेचता है और मौखिक वारण्टी देता है कि वह अच्छा है। 'बबलू' को 'सलीम' इन शब्दों को लिखकर एक कागज पर देता है सलीम से 500 रुपये में एक घोड़ा खरीदा। सही उत्तर का परीक्षण कीजिए।

- (1) 'Babloo' cannot prove the verbal warranty. / 'बबलू' मौखिक वारण्टी साबित नहीं कर सकता।
- (2) 'Babloo' may prove the verbal warranty. / 'बबलू' मौखिक वारण्टी साबित कर सकता है।
- (3) Verbal warranty is of no value since the fact of sale is written on a paper, hence, the same cannot be proved. / मौखिक वारण्टी का कोई मूल्य नहीं है क्योंकि विक्रय का तथ्य कागज पर लिखा है, अतः इसे साबित नहीं किया जा सकता।
- (4) None of the above option is correct. / उपरोक्त में से कोई विकल्प सही नहीं है।

Ans. [2]

24. Words and expressions used in the Bharatiya Sakshya Adhiniyam, 2023 and not defined Har therein, but defined in ----- shall have the same meanings as assigned to them in the said Act and Sanhitas. / उन शब्दों और पदों के, जो भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनका उक्त अधिनियम और संहिता में हैं।

- (1) the Code of Civil Procedure, 1908, the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023 and the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय न्याय संहिता, 2023

- (2) the Code of Civil Procedure, 1908, the Specific Relief Act, 1963, the Information Technology Act, 2000, the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023 and the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908, विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय न्याय संहिता, 2023
- (3) the Code of Civil Procedure, 1908, the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023, the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 and the Information Technology Act, 2000 / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023, भारतीय न्याय संहिता, 2023 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000
- (4) the Information Technology Act, 2000, the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023 and the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 / सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय न्याय संहिता, 2023

Ans. [4]

25. Under the provisions of Rajasthan Land Revenue Act, 1956, "Nazul Land" shall mean / राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अन्तर्गत, "नजूल भूमि से अभिप्रेत है

- (1) abadi land within the limits of a municipality only, vesting in the State Government. / राज्य सरकार में निहित केवल वह आबादी भूमि जो नगरपालिका की सीमा के अन्दर हो।
- (2) abadi land within the limits of a panchayat circle only, vesting in the State Government. / राज्य सरकार में निहित केवल वह आबादी भूमि जो पंचायत सर्किल की सीमा के अन्दर हो
- (3) abadi land within the limits of a municipality or a panchayat circle or a village, town or city, vesting in the State Government. / राज्य सरकार में निहित वह आबादी भूमि जो नगरपालिका या पंचायत सर्किल या गांव, कस्बा या शहर की सीमा के अन्दर हो।
- (4) any land belongs to State Government or as the case may be, to the Central Government. / राज्य सरकार या केन्द्र सरकार, जैसा भी हो, में निहित कोई भी भूमि।

Ans. [3]

26. Which of the following statement is correct with regard to general rule of inheritance under Mohammedan Law ? / मुस्लिम विधि के अन्तर्गत, उत्तराधिकार के सामान्य नियम के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है?

- (1) There is no distinction under the Mohammedan Law of inheritance between movable and immovable property or between ancestral and self-acquired property. / उत्तराधिकार की मुस्लिम विधि के अन्तर्गत चल एवं अचल सम्पत्ति या पैतृक एवं स्व-अर्जित सम्पत्ति में कोई अन्तर नहीं है।





- (2) There is no distinction under the Mohammedan Law of inheritance between movable and immovable property but there is a clear distinction between ancestral and self-acquired property. / उत्तराधिकार की मुस्लिम विधि के अन्तर्गत चल एवं अचल सम्पत्ति में कोई अन्तर नहीं है परन्तु पैतृक एवं स्व-अर्जित सम्पत्ति में स्पष्टतः अन्तर है।
- (3) There is no distinction under the Mohammedan Law of inheritance between ancestral and self-acquired property but there is a clear distinction between movable and immovable property. / उत्तराधिकार की मुस्लिम विधि के अन्तर्गत पैतृक एवं स्व-अर्जित सम्पत्ति में कोई अन्तर नहीं है परन्तु चल एवं अचल सम्पत्ति में स्पष्टतः अन्तर है।
- (4) There is a clear distinction under the Mohammedan Law of inheritance between movable and immovable property or between ancestral and self-acquired property. / उत्तराधिकार की मुस्लिम विधि के अन्तर्गत चल एवं अचल सम्पत्ति या पैतृक एवं स्व-अर्जित सम्पत्ति में स्पष्टतः अन्तर है।

Ans. [1]

27. With regard to the provisions of second appeal under the Code of Civil Procedure, 1908, which of the following statement is not correct? / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अन्तर्गत द्वितीय अपील के प्रावधानों के सन्दर्भ में, निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है?

- (1) Second appeal shall lie to the High Court from every decree passed in appeal by any Court subordinate to the High Court, if the High Court is satisfied that the case involves a substantial question of law. / उच्च न्यायालय के अधीनस्थ किसी न्यायालय द्वारा अपील में पारित प्रत्येक डिक्री की उच्च न्यायालय में द्वितीय अपील हो सकेगी, यदि उच्च न्यायालय का यह समाधान हो जाता है कि उस मामले में विधि का कोई सारवन् प्रश्न अन्तर्वलित है।
- (2) Second appeal under section 100 of the Code of Civil Procedure, 1908 cannot be filed against an appellate decree passed ex parte. / एकपक्षीय पारित अपीली डिक्री की द्वितीय अपील सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 100 के अधीन नहीं हो सकेगी।
- (3) In an appeal under section 100 of the Code of Civil Procedure, 1908, the memorandum of appeal shall precisely state the substantial question of law involved in the appeal. / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 100 के अधीन अपील में अन्तर्वलित विधि के उस सारवन् प्रश्न का अपील के ज्ञापन में प्रमिततः कथन किया जाएगा।
- (4) Where the High Court is satisfied that a substantial question of law is involved in any case, it shall formulate that question. / जहाँ उच्च न्यायालय का यह समाधान हो जाता है कि किसी मामले में सारवन् विधि का प्रश्न अन्तर्वलित है, तो वह उस प्रश्न को बनाएगा।

Ans. [2]

28. Under the provisions of the Limitation Act, 1963, which of the following statement is correct with regard to "Acknowledgment"? / परिसीमा अधिनियम, 1963 के प्रावधानों के अन्तर्गत, "अभिस्वीकृति" के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है?

- (1) An application for the execution of a decree or order shall be deemed to be an application in respect of any property or right. / वह आवेदन, जो डिक्री या आदेश के निष्पादन के लिए हो किसी सम्पत्ति या अधिकार की बाबत आवेदन समझा जाएगा।
- (2) An acknowledgment may be sufficient though it omits to specify the exact nature of the property or right. / अभिस्वीकृति पर्याप्त हो सकेगी यद्यपि वह उस सम्पत्ति या अधिकार की यथावत् प्रकृति का विनिर्देश न करती हो।
- (3) For the purposes of an acknowledgment, the word "signed" means signed personally and does not include signed by any agent duly authorized in this behalf. / अभिस्वीकृति के प्रयोजनों के लिए "हस्ताक्षरित" शब्द से स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित अभिप्रेत है एवं इस निमित्त सम्यक् प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित को इसमें शामिल नहीं करता है।
- (4) None of the above is correct. / उपरोक्त में से कोई भी सही नहीं है।

Ans. [2]

29. Under the provisions of the Transfer of Property Act, 1882, which of the following lease can be made by oral agreement? / सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 के प्रावधानों के अन्तर्गत, निम्न में से कौनसा पट्टा मौखिक करार द्वारा किया जा सकता है?

- (1) A lease of immoveable property for any term exceeding one year. / स्थावर सम्पत्ति का एक वर्ष से अधिक अवधि का पट्टा।
- (2) A lease of immoveable property from year to year. / स्थावर सम्पत्ति का वर्षानुवर्षी पट्टा।
- (3) A lease of immoveable property for any term not exceeding one year, accompanied by delivery of possession. / कब्जे के परिदान सहित, स्थावर सम्पत्ति का एक वर्ष से अनधिक अवधि का पट्टा।
- (4) None of the above, because the lease of immoveable property cannot be made by oral agreement. / उपरोक्त में से कोई नहीं, क्योंकि स्थावर सम्पत्ति का पट्टा मौखिक करार से नहीं किया जा सकता है।

Ans. [3]

30. Leading questions - / सूचक प्रश्न -

- (1) must not, if objected to by the adverse party, be asked in an examination-in-chief, or in a re-examination, except with the permission of the Court. / मुख्य परीक्षा में या पुनः परीक्षा में, यदि विरोधी पक्षकार द्वारा आक्षेप किया जाता है, न्यायालय की अनुज्ञा के बिना नहीं पूछे जाने चाहिए।
- (2) must not, be asked in an examination-in-chief, or in a re-examination, except with the permission of the Court. / मुख्य परीक्षा में या पुनः परीक्षा में, न्यायालय की अनुज्ञा के बिना नहीं पूछे जाने चाहिए।





- (3) must not, if objected to by the adverse party, be asked in an examination-in-chief, except with the permission of the Court but the same may be asked in the cross-examination or re-examination. / मुख्य परीक्षा में, यदि विरोधी पक्षकार द्वारा आक्षेप किया जाता है, न्यायालय की अनुज्ञा के बिना नहीं पूछे जाने चाहिए परन्तु प्रतिपरीक्षा या पुनः परीक्षा में पूछे जा सकते हैं।
- (4) must not, if objected to by the adverse party, be asked in an examination-in-chief, or in cross-examination or in a re-examination, except with the permission of the Court. / मुख्य परीक्षा में या प्रतिपरीक्षा में या पुनः परीक्षा में, यदि विरोधी पक्षकार द्वारा आक्षेप किया जाता है, न्यायालय की अनुज्ञा के बिना नहीं पूछे जाने चाहिए।

Ans. [1]

31. Ramesh is an agent for the sale of goods, having authority to sell on credit. Ramesh sells to Hakam Singh on credit, without making proper and usual enquiries with regard to his solvency. Later on, it reveals that Hakam Singh was solvent at the time of such sale. Ramesh ----- / माल विक्रय के लिए एक अभिकर्ता रमेश, जिसे उधार बेचने का प्राधिकार है हाकम सिंह की शोधनक्षमता के बारे में उचित और प्रायिक जांच किए बिना हाकम सिंह को उधार माल बेचता है। बाद में, यह पता चलता है कि इस विक्रय के समय हाकम सिंह दिवालिया है। रमेश -----

- (1) must make compensation to his principal in respect of any loss thereby sustained. / उससे हुई हानि के लिए अपने मालिक को प्रतिकर देगा।
- (2) cannot be held liable for compensation to his principal in respect of any loss thereby sustained because he did it in routine. / उससे हुई हानि के लिए अपने मालिक को प्रतिकर देने का उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता चूंकि उसने ऐसा सामान्य रूप से किया था।
- (3) was acting for his principal, therefore, the acts done by him will be treated as if the same were done by his principal and he cannot be held liable in respect of any loss thereby sustained. / अपने मालिक के लिए कार्य कर रहा था इसलिए उसके द्वारा किया गया कार्य ऐसा समझा जाएगा मानो ऐसा उसके मालिक ने ही किया हो और इसलिए इससे हुई किसी भी क्षति के लिए दायी नहीं है।
- (4) and his principal will have to share the losses equally. / तथा उसके मालिक को क्षति को बराबर-बराबर बांटना चाहिए।

Ans. [*]

32. As per the provisions of the Sale of Goods Act, 1930, a contract of sale may be made in writing --- / माल विक्रय अधिनियम, 1930 के प्रावधानों के अनुसार, विक्रय की संविदा लिखित -

- (1) but cannot be by word of mouth. / की जा सकती है परन्तु वाचिक नहीं की जा सकती है।
- (2) or by word of mouth but cannot be partly in writing and partly by word of mouth. / में या वाचिक

की जा सकती है परन्तु भागतः लिखित एवं भागतः वाचिक नहीं की जा सकती है।

- (3) or by word of mouth, or partly in writing and partly by word of mouth but cannot be implied from the conduct of the parties. / में या वाचिक या भागतः लिखित एवं भागतः वाचिक की जा सकती है परन्तु पक्षकारों के आचरण से विवक्षित नहीं हो सकती है।
- (4) or by word of mouth, or partly in writing and partly by word of mouth or may also be implied from the conduct of the parties. / या वाचिक या भागतः लिखित एवं भागतः वाचिक की जा सकती है अथवा पक्षकारों के आचरण से भी विवक्षित हो सकती है।

Ans. [4]

33. The certificate for recovery of possession issued under section 8 of the Rajasthan Rent Control Act, 2001 shall lapse if petition for execution thereof has not been filed before the Tribunal within ----- from the date such certificate becomes executable. / राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 की धारा 8 के अन्तर्गत जारी कब्जे की पुनः प्राप्ति का प्रमाणपत्र व्यपगत हो जाएगा, यदि अधिकरण के समक्ष उसके निष्पादन का प्रार्थना पत्र ऐसे प्रमाणपत्र के निष्पादनीय होने की तारीख से ----- के भीतर-भीतर दाखिल नहीं किया गया हो।

- (1) three months / तीन माह
- (2) six months / छः माह
- (3) one month / एक माह
- (4) one year / एक साल

Ans. [2]

34. According to the provisions of the Hindu Adoption and Maintenance Act, 1956, where the parentage of the child is not known, by whom and to whom, a child can be given in adoption? हिन्दू दत्तक तथा भरण-पोषण अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुसार, जहां अपत्य की जनकता ज्ञात न हो, किसके द्वारा तथा किसे, अपत्य को दत्तक में दिया जा सकता है?

- (1) The guardian of the child may give the child in adoption with the previous permission of the court to any person but not to the guardian himself. / अपत्य का संरक्षक न्यायालय की पूर्व अनुज्ञा से उस अपत्य को किसी भी व्यक्ति को दत्तक दे सकता है परन्तु स्वयं संरक्षक को नहीं।
- (2) The guardian of the child may give the child in adoption with the previous permission of the court to himself only. / अपत्य का संरक्षक न्यायालय की पूर्व अनुज्ञा से केवल स्वयं को अपत्य को दत्तक दे सकता है अन्य को नहीं।
- (3) The person who is taken care of the child i.e. giving shelter, food, cloths & other essentials etc., irrespective of the fact whether such person is a guardian in the eyes of law or not, with the previous permission of the court, may give the child in adoption to any person including himself. / ऐसा व्यक्ति जो अपत्य की देखरेख





करता है यानि आश्रय, भोजन, कपड़े एवं अन्य आवश्यक चीजें आदि देता है, चाहे वह विधि की दृष्टि में अपत्य का संरक्षक हो या न हो, न्यायालय की पूर्व अनुज्ञा से उस अपत्य को किसी भी व्यक्ति को जिसके अन्तर्गत वह स्वयं भी आता है, दत्तक दे सकता है।

- (4) The guardian of the child may give the child in adoption with the previous permission of the court to any person including the guardian himself. / अपत्य का संरक्षक न्यायालय की पूर्व अनुज्ञा से उस अपत्य को किसी भी व्यक्ति को जिसके अन्तर्गत वह संरक्षक भी आता है, दत्तक दे सकता है।

Ans. [4]

35. Which of the following is best suited to fill in the blank? Consent is said to be free when it is not caused by ----- / निम्न में से कौनसा रिक्त स्थान भरने के लिए सबसे उपयुक्त उत्तर है? सम्मति स्वतन्त्र तब कही जाएगी जब वह----- द्वारा कारित न हो।

- (1) Coercion or Undue Influence / प्रपीड़न या असम्यक् असर
 (2) Fraud or Misrepresentation / कपट या दुर्व्यपदेशन
 (3) Misappropriation or Cheating / दुर्विनियोग या छल
 (4) All the above are correct / उपरोक्त सभी सही हैं

Ans. [*]

36. Every investigation in relation to an offence under sections 376, 376A, 376AB, 376B, 376C, 376D, 376DA, 376DB or 376E of the Indian Penal Code, 1860, shall be completed within from the date on which the information was recorded by the officer in charge of the police station. / भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 376, 376-क, 376-कख, 376-ख, 376-ग, 376-घ, 376-चक, 376-घख या 376-ङ के तहत अपराध के सम्बन्ध में प्रत्येक अन्वेषण पुलिस स्टेशन के भारसाधक अधिकारी द्वारा पुलिस स्टेशन में सूचना अभिलिखित करने के दिनांक से ----- के भीतर पूर्ण की जाएगी।

- (1) one month / एक माह
 (2) three months / तीन माह
 (3) two months / दो माह
 (4) 45 days / 45 दिन

Ans. [3]

37. Under the provisions of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015, "juvenile" means - किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रावधानों के अन्तर्गत, "किशोर" से अभिप्रेत है

- (1) child below the age of sixteen years / सोलह वर्ष से कम आयु का बालक
 (2) a male child below the age of eighteen years or a female child below the age of sixteen years / अठारह वर्ष से कम आयु का बालक या सोलह वर्ष से कम आयु की बालिका
 (3) a male child below the age of twenty-one years or a female child below the age of eighteen years / इक्कीस वर्ष से कम आयु का बालक या अठारह वर्ष से कम आयु की बालिका

- (4) a child below the age of eighteen years / अठारह वर्ष से कम आयु का बालक

Ans. [4]

38. Under the provisions of the Indian Penal Code, 1860, in cases where the sentence (whether of death or not) is for an offence against any law relating to a matter to which the executive power of the State extends, for the purposes of commutation of sentence of death or imprisonment for life, the "Appropriate Government" means / भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के प्रावधानों के अनुसार, उन मामलों में, जहां कि दण्डादेश (चाहे मृत्यु का हो या नहीं) ऐसे विषय से, जिस पर राज्य की कार्यपालना शक्ति का विस्तार हो, सम्बन्धित किसी विधि के विरुद्ध अपराध के लिए, मृत्यु दण्ड या आजीवन कारावास के दण्डादेश के लघुकरण हेतु, "समुचित सरकार" से अभिप्रेत है

- (1) the Government of the State within which the offender is sentenced. / उस राज्य की सरकार, जिसके अन्दर अपराधी दण्डादिष्ट हुआ है।
 (2) the Government of the State within which the offence is committed. / उस राज्य की सरकार, जिसके अन्दर अपराध कारित हुआ है।
 (3) the Government of the State within which the offence is committed or the offender is sentenced. / उस राज्य की सरकार, जिसके अन्दर अपराध कारित हुआ है या अपराधी दण्डादिष्ट हुआ है।
 (4) the Government of the State within which the offence is committed or the offender is sentenced or the offender is undergoing the sentence. / उस राज्य की सरकार, जिसके अन्दर अपराध कारित हुआ है या अपराधी दण्डादिष्ट हुआ है या अपराधी सजा भुगत रहा है।

Ans. [1]

39. For constituting the offence of "House Trespass" as defined under section 442 of the Indian Penal Code, 1860, which of the following is sufficient to establish the element of "entering"? / जैसा कि भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 442 में परिभाषित किया गया है, "गृह अतिचार" के अपराध के गठन के लिए, निम्न में से कौनसा "प्रवेश" के तत्व के लिए पर्याप्त है?

- (1) Putting 1st step of the criminal trespasser inside the property / आपराधिक अतिचार के लिए पहला कदम रखना
 (2) The introduction of any part of the criminal trespasser's body inside the property / सम्पत्ति के अन्दर आपराधिक अतिचार करने वाले व्यक्ति के शरीर के किसी भाग का प्रवेश
 (3) Complete entry of trespasser inside the property / अतिचारी का सम्पत्ति के अन्दर पूर्ण प्रवेश
 (4) Forcible entry of trespasser inside the property / अतिचारी का सम्पत्ति में बलपूर्वक प्रवेश

Ans. [2]





Ans. [1]

40. According to the section 13 of the Probation of Offenders Act, 1958, Which of the following statement is not correct, with regard to the Probation Officer? / अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 की धारा 13 के अनुसार परिवीक्षा अधिकारी के संदर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है?

- (1) A Probation Officer under the Probation of Offenders Act, 1958 shall be a person appointed to be a Probation Officer by the State Government or recognised as such by the State Government. / परिवीक्षा अधिकारी ऐसा व्यक्ति होगा जो राज्य सरकार द्वारा परिवीक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है या राज्य सरकार द्वारा उस रूप में मान्यता प्राप्त है।
- (2) A Probation Officer under the Probation of Offenders Act, 1958 shall be a person provided for this purpose by a society recognised in this behalf by the State Government. / अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 के अन्तर्गत परिवीक्षा अधिकारी, वह व्यक्ति होगा जो राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त मान्यता प्राप्त सोसायटी द्वारा इस प्रयोजन के लिए उपलब्ध किया गया है।
- (3) A Probation Officer under the Probation of Offenders Act, 1958 shall be in any exceptional case, any other person who, in the opinion of the court, is fit to act as a probation officer in the special circumstances of the case. / किसी असाधारण मामले में कोई भी अन्य व्यक्ति जो न्यायालय की राय में उस मामले की विशेष परिस्थितियों में परिवीक्षा अधिकारी के रूप में कार्य करने के योग्य हो।
- (4) A Probation Officer under the Probation of Offenders Act, 1958 shall be a person appointed to be a probation officer by the Central Government or recognised as such by the Central Government. / परिवीक्षा अधिकारी ऐसा व्यक्ति होगा जो केन्द्रीय सरकार द्वारा परिवीक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है या केन्द्रीय सरकार द्वारा उस रूप में मान्यता प्राप्त है।

Ans. [4]

41. Under the provisions of the Rajasthan Excise Act, 1950, "Export" means / राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 के प्रावधानों के अंतर्गत, "निर्यात" से अभिप्रेत है

- (1) to take out of those parts of the State of Rajasthan to which the Rajasthan Excise Act, 1950 extends. / राजस्थान राज्य के उन भागों से बाहर ले जाना जिनमें राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 का प्रसार है।
- (2) to take out of the territories of India. / भारत की सीमाओं से बाहर ले जाना।
- (3) while transporting out of India by a ship, whether registered in India or not, to take out of the ship. / समुद्री जहाज से, चाहे वह भारत में पंजीकृत हो या न हो, भारत से बाहर ले जाते हुए, समुद्री जहाज से बाहर निकालना।
- (4) to take out of the territories of India, after paying all applicable excise duties. / सभी करों का भुगतान करने के बाद भारत की सीमाओं से बाहर ले जाना।

42. For the purposes of the offence of "Giving false evidence", an investigation directed by a Court of Justice according to law and conducted under the authority of a Court of Justice - / "मिथ्या साक्ष्य देना" के अपराध के प्रयोजन से, न्यायालय द्वारा विधि के अनुसार निर्दिष्ट और न्यायालय के प्राधिकार के अधीन संचालित अन्वेषण ---

- (1) is not a stage of a judicial proceeding. / न्यायिक कार्यवाही का एक प्रक्रम नहीं है।
- (2) may be treated as "a stage of judicial proceeding", only if, it is specifically mentioned in such direction. / केवल तभी, "न्यायिक कार्यवाही का एक प्रक्रम" के रूप में माना जा सकता है, जबकि ऐसे आदेश में ऐसा विनिर्दिष्ट: अंकित हो।
- (3) is a stage of a judicial proceeding, irrespective of the fact whether that investigation may or may not be taken place before a Court of Justice. / न्यायिक कार्यवाही का एक प्रक्रम है, चाहे वह अन्वेषण किसी न्यायालय के समक्ष न भी हो।
- (4) is not a stage of a judicial proceeding, if that investigation is not being taken place before a Court of Justice. / न्यायिक कार्यवाही का एक प्रक्रम नहीं है, यदि अन्वेषण न्यायालय के समक्ष संचालित नहीं किया जा रहा हो।

Ans. [3]

43. Under the provisions of section 265B of the Code of Criminal Procedure, 1973, who amongst the following, may file an application for plea bargaining in the Court in which such offence is pending for trial? / दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 265ख के प्रावधानों के अन्तर्गत, निम्न में से कौन, उस न्यायालय में अभिवाक-सौदेबाजी का आवेदन दाखिल कर सकता है, जिसमें ऐसा अपराध विचारण के लिए लम्बित है?

- (1) Accused / अभियुक्त
- (2) Complainant / परिवादी
- (3) Accused or Complainant / अभियुक्त या परिवादी
- (4) Accused or Complainant or Prosecutor / अभियुक्त या परिवादी या अभियोजक

Ans. [1]

44. Under the provisions of the Rajasthan Excise Act, 1950, which of the following statement is correct? राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 के प्रावधानों के अंतर्गत, निम्न में से कौनसा कथन सही है?

- (1) Any licenced vendor and person in the employ of such vendor or acting on his behalf may sell or deliver any liquor or intoxicating drug to any person apparently under the age of 18 years. / कोई भी अनुज्ञप्त विक्रेता और उक्त विक्रेता के नियोजन में स्थित या उसकी ओर से कार्य करने वाला कोई व्यक्ति, किसी भी शराब या मादक औषधि-द्रव्य का विक्रय या परिदान, जाहिरा तौर पर 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति को कर सकेगा।
- (2) Any licensed vendor and person in the employ of such vendor or acting on his behalf may sell





or deliver any liquor or intoxicating drug to any person of unsound mind. / कोई भी अनुज्ञप्त विक्रेता और उक्त विक्रेता के नियोजन में स्थित या उसकी ओर से कार्य करने वाला कोई व्यक्ति, किसी भी शराब या मादक औषधि-द्रव्य का विक्रय या परिदान, किसी विकृत-चित्त व्यक्ति को कर सकेगा।

- (3) No licenced vendor and no person in the employ of such vendor or acting on his behalf may sell or deliver any liquor or intoxicating drug to any soldier on duty and in uniform except with the permission of the proper officer of the unit to which the soldier belongs. / कोई भी अनुज्ञप्त विक्रेता और उक्त विक्रेता के नियोजन में स्थित या उसकी ओर से कार्य करने वाला कोई व्यक्ति, किसी भी शराब या मादक औषधि-द्रव्य का विक्रय या परिदान, उस इकाई के, जिसका वह सैनिक है, समुचित अधिकारी की अनुज्ञा के बिना, ड्यूटी पर तैनात एवं वर्दीधारी सैनिक को नहीं करेगा।
- (4) Any licensed vendor or person in the employ of such vendor or acting on his behalf may sell or deliver any liquor or intoxicating drug in exchange whether wholly or in part, for jewellery, clothes, arms or household utensils. / कोई भी अनुज्ञप्त विक्रेता या और विक्रेता के नियोजन में स्थित या उसकी ओर से कार्य करने वाला कोई व्यक्ति, किसी भी शराब या मादक औषधि-द्रव्य का विक्रय या परिदान, चाहे पूर्णतः या अंशतः गहनों, कपड़ों, शस्त्रों या गृहस्थी के बरतनों के विनिमय करके कर सकेगा।

Ans. [3]

45. Which of the following statement is correct with regard to the relevancy of previous bad character in the criminal proceedings? / दण्डिक कार्यवाहियों में पूर्वतन बुरे शील की सुसंगतता के संदर्भ में, निम्न में से कौनसा कथन सही है?

- (1) In criminal proceedings, the fact that the accused has a bad character, is always irrelevant. / दण्डिक कार्यवाहियों में, यह तथ्य कि अभियुक्त बुरे शील का है, हमेशा विसंगत है।
- (2) In criminal proceedings, the fact that the accused has a bad character, is always relevant. / दण्डिक कार्यवाहियों में, यह तथ्य कि अभियुक्त बुरे शील का है, हमेशा सुसंगत है।
- (3) In criminal proceedings, the fact that the accused has a bad character, is irrelevant, unless evidence has been given that he has a good character, in which case it becomes relevant. / दण्डिक कार्यवाहियों में, यह तथ्य कि अभियुक्त बुरे शील का है, तब तक विसंगत है, जब तक इस बात का साक्ष्य न दिया गया हो कि वह अच्छे शील का है, जिस मामले में वह सुसंगत हो जाता है।
- (4) In criminal proceedings, the fact that the accused has a bad character, is irrelevant and even if the evidence has been given that he has a good character, it remains irrelevant. / दण्डिक कार्यवाहियों में, यह तथ्य कि अभियुक्त बुरे शील का है, विसंगत है

तथा यदि इस बात का साक्ष्य दिया भी गया हो कि वह अच्छे शील का है, यह असंगत ही रहेगा।

Ans. [3]

46. According to the provisions of the Indian Evidence Act, 1872, a lunatic is - / भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के प्रावधानों के अनुसार, एक पागल व्यक्ति -

- (1) not competent to testify. / साक्ष्य देने के लिए सक्षम नहीं है।
- (2) not competent to testify till appropriate authority declare him as unsound mind. / तब तक साक्ष्य देने के लिए सक्षम नहीं है जब तक सक्षम प्राधिकारी उसे विकृतचित्त घोषित नहीं कर दे।
- (3) not incompetent to testify, unless he is prevented by his lunacy from understanding the questions put to him and giving rational answers to them. / साक्ष्य देने को अक्षम नहीं है, जब तक कि वह अपने पागलपन के कारण उससे किए गए प्रश्नों को समझने से या उनके युक्तिसंगत उत्तर देने से निवारित न हो।
- (4) not competent to testify, unless a valid certificate issued by a registered medical practitioner in support thereof. / साक्ष्य देने को सक्षम नहीं है, जब तक कि एक पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी उसके समर्थन में एक वैध प्रमाणपत्र जारी न कर दे।

Ans. [3]

47. In the event of a second or subsequent conviction, what is the penalty provided for contravention of the provisions of section 3 or section 4 of the Indecent Representation of Women (Prohibition) Act, 1986? / द्वितीय या पश्चातवर्ती दोषसिद्धि की दशा में, महिलाओं का अश्लिष्ट रूपण (प्रतिषेध) अधिनियम, 1986 की धारा 3 या धारा 4 के उल्लंघन के लिए क्या शास्ति प्रावधानित की गई है?

- (1) Imprisonment for a term not less then five years and also with a fine not less then one lakh rupees. / पाँच वर्ष का कारावास और जुर्माने से जो, एक लाख रुपये से कम नहीं होगा।
- (2) Imprisonment for a term of not less than one year but which may extend to three years and also with a fine not less than five thousand rupees but which may extend to fifty thousand rupees. / कारावास जिसकी अवधि एक वर्ष से कम न होगी किन्तु जो तीन साल तक की हो सकेगी और जुर्माने से जो, पाँच हजार रुपये से कम नहीं होगा किन्तु जो पचास हजार रुपये तक हो सकेगा।
- (3) Imprisonment for a term of not less than six months but which may extend to three years and also with a fine not less than ten thousand rupees but which may extend to one lakh rupees. / कारावास जिसकी अवधि छः मास से कम न होगी किन्तु जो तीन साल तक का हो सकेगा और जुर्माने से जो, दस हजार रुपये से कम नहीं होगा किन्तु जो एक लाख रुपये तक हो सकेगा।
- (4) Imprisonment for a term of not less than six months but which may extend to five years and





also with a fine not less than ten thousand rupees but which may extend to one lakh rupees. / कारावास जिसकी अवधि छः मास से कम न होगी किन्तु जो पाँच साल तक हो सकेगी और जुर्माना जो, दस हजार रुपये से कम नहीं होगा किन्तु जो एक लाख रुपये तक हो सकेगा।

Ans. [4]

48. Under the provisions of the Indian Penal Code, 1860, in all cases in which judgment is given that a person is guilty of one of several offences specified in the judgment, but that it is doubtful of which of these offences he is guilty, the offender----- / भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के प्रावधानों के अनुसार, उन सब मामलों में, जिनमें यह निर्णय दिया जाता है कि कोई व्यक्ति उस निर्णय में विनिर्दिष्ट कई अपराधों में से एक अपराध का दोषी है, किन्तु यह संदेहपूर्ण है कि वह उन अपराधों में से किस अपराध का दोषी है, यदि वही दण्ड सब अपराधों के लिए उपबंधित नहीं है, तो वह अपराधी --

- (1) shall be punished for the offence for which the highest punishment is provided if the same punishment is not provided for all. / उस अपराध के लिए दण्डित किया जाएगा, जिसके लिए अधिक से अधिक दण्ड उपबंधित किया गया है।
- (2) shall be punished for the offence, for which the court deems appropriate. / उस अपराध के लिए दण्डित किया जाएगा, जो न्यायालय उचित समझे।
- (3) shall be punished for the offence for which the lowest punishment is provided if the same punishment is not provided for all. / उस अपराध के लिए दण्डित किया जाएगा, जिसके लिए कम से कम दण्ड उपबंधित किया गया है।
- (4) shall be punished for both the offence, however court is bound to pass an order that all the punishments shall run concurrently. / दोनों अपराधों के लिए दण्डित किया जाएगा, हालांकि न्यायालय ऐसा आदेश करने के लिए बाध्य है कि सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

Ans. [3]

49. What remedy a person have against the order of any court other than a High Court, whereby, the request to make a complaint under sub-section (1) or sub-section (2) of section 340 of the Code of Criminal Procedure, 1973 has been refused? / किसी व्यक्ति को, उच्च न्यायालय से भिन्न किसी न्यायालय के ऐसे आदेश के विरुद्ध, जिसके द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 340 की उपधारा (1) या (2) के अन्तर्गत परिवाद करने से इन्कार कर दिया है, क्या उपचार प्राप्त है?

- (1) He can file a revision to the Court to which such former Court is subordinate within the meaning of sub-section (4) of section 195 of the Code of Criminal Procedure, 1973. / वह, उस न्यायालय में पुनरीक्षण कर सकता है जिसके, ऐसा पूर्वकथित न्यायालय दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 195 की उपधारा (4) के अर्थ में अधीनस्थ है।

- (2) He can file an appeal to the Court to which such former Court is subordinate within the meaning of sub-section (4) of section 195 of the Code of Criminal Procedure, 1973. / वह, उस न्यायालय में अपील कर सकता है जिसके, ऐसा पूर्वकथित न्यायालय दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 195 की उपधारा (4) के अर्थ में अधीनस्थ है।
- (3) He does not have any remedy under the provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973, hence, only remedy is to file a writ petition before High Court. / उसे, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के प्रावधानों के अन्तर्गत कोई उपचार प्राप्त नहीं है, अतः, उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका दायर करने का ही एकमात्र उपचार है।
- (4) He doesn't have any remedy under the provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973 nor can he file a writ petition before the High Court. The only remedy is to file Special Leave Petition before the Supreme Court. / उसे दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के प्रावधानों के अन्तर्गत कोई उपचार प्राप्त नहीं है ना ही वह उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका प्रस्तुत कर सकता है। एकमात्र उपचार उच्चतम न्यायालय के समक्ष विशेष अनुमति याचिका प्रस्तुत करना है।

Ans. [2]

50. During the trial of a case instituted for the offence punishable under section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881, at which stage, the court can order the drawer of the cheque to pay interim compensation to the complainant? / परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध के लिए संस्थित एक मामले के विचारण के दौरान, किस प्रक्रम पर न्यायालय चेक के लेखिवाल को परिवादी को अंतरिम प्रतिकर देने का आदेश दे सकता है?

- (1) At any stage after filing of complaint / परिवाद प्रस्तुत करने के बाद किसी भी प्रक्रम पर
- (2) At any stage after taking cognizance / प्रसंज्ञान लेने के बाद किसी भी प्रक्रम पर
- (3) Where the accused pleads not guilty to the accusation made in the complaint or upon framing of charge / जहां अभियुक्त ने परिवाद में दोषी नहीं होने का अभिवाक किया है या आरोप विरचित किए जाने पर
- (4) After cross examination of the complainant / परिवादी की प्रतिपरीक्षा के बाद

Ans. [3]

51. 'A' borrowed Rs. 50000 from 'B'. Despite repeated reminders, he was not repaying the same. 'A' instigate 'C', his servant, to murder 'B', when he comes to demand his money. Next day, 'B' came to make a demand of money. Hot talks were exchanged between 'A' and 'B'. However, 'A' didn't do anything, but under such instigation, 'C' gave an axe blow on the head of 'B', resultantly, 'B' died at the spot. What offences, 'A' and 'C' has





committed? / 'अ' 50000 रु. 'ब' से उधार लेता है। बार-बार याद दिलाने के बावजूद, वह उसे वापस नहीं करता है। 'अ' अपने नौकर 'स' को 'ब' की हत्या, उस समय करने के लिए उकसाता है, जब 'ब' धन की मांग करने आये। अगले दिन, 'ब' धन की मांग करने आता है, 'अ' और 'ब' के मध्य गर्मा-गर्मी होती है। हालांकि, 'अ' कुछ नहीं करता है परन्तु ऐसे उकसावे के अन्तर्गत, 'स' एक कुल्हाड़ी का वार 'ब' के सिर पर करता है, परिणामस्वरूप, 'ब' मौके पर ही मर जाता है। 'अ' तथा 'स' ने क्या अपराध किया है?

- (1) C is guilty of murder of B and A is guilty of abating such murder. / 'स', 'ब' की हत्या का दोषी है तथा अ ऐसी हत्या को उकसाने का दोषी है।
- (2) A & C both are guilty of murder of B. / 'अ' तथा 'स' दोनों 'ब' की हत्या के दोषी हैं।
- (3) C is guilty of murder of B and A has not committed any offence. / 'स', 'ब' की हत्या का दोषी है तथा 'अ' ने कोई अपराध नहीं किया है।
- (4) A is guilty of abating murder of B and C has not committed any offence. / 'अ', 'ब' की हत्या को उकसाने का दोषी है तथा 'स' ने कोई अपराध नहीं किया है।

Ans. [2]

52. According to the provisions of the Indian Penal Code, 1860, "Reason to believe" means - / भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के प्रावधानों के अनुसार, "विश्वास करने का कारण" से अभिप्रेत है

- (1) A person is said to have "reason to believe" a thing, if he is able to think by putting himself in the position of other. / कोई व्यक्ति किसी बात के "विश्वास रखने का कारण" रखता है, यह तब कहा जाता है, जब वह स्वयं को अन्य की स्थिति में रखकर सोचने में सक्षम हो।
- (2) A person is said to have "reason to believe" a thing, if he believes, whatever, a prudent person would have believed, in the similar circumstances. / कोई व्यक्ति किसी बात के "विश्वास रखने का कारण" रखता है, यह तब कहा जाता है, जब वह ऐसा विश्वास रखता है जैसा कि एक प्रजावान व्यक्ति, समान परिस्थितियों में विश्वास रखता हो।
- (3) A person is said to have "reason to believe" a thing, if he has sufficient cause to believe that thing, but not otherwise. / कोई व्यक्ति किसी बात के "विश्वास रखने का कारण" रखता है, यह तब कहा जाता है, जब वह उस बात के विश्वास करने का पर्याप्त हेतुक रखता है, अन्यथा नहीं।
- (4) A person is said to have "reason to believe" a thing, if sufficient evidence has been placed before him, to show the existence of that thing. / कोई व्यक्ति किसी बात के "विश्वास रखने का कारण" रखता है, यदि उसके समक्ष, उस तथ्य के अस्तित्व को दर्शाने के लिए, पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत की गई हो।

Ans. [3]

53. "Public Functionary", as used in the definition of "Terrorist Act" under Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023, means- / भारतीय न्याय संहिता, 2023 के अन्तर्गत,

'आतंकवादी कृत्य' की परिभाषा में प्रयुक्त 'लोक कृत्यकारी' से अभिप्रेत है -

- (1) All the Public Servants. / सभी लोक सेवक।
- (2) Public Servants or any other Functionary notified in the Official Gazette by the State Government as Public Functionary./ लोक सेवक या राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में लोक कृत्यकारी के रूप में अधिसूचित कोई अन्य कृत्यकारी।
- (3) The Constitutional Authorities or any other Functionary notified in the Official Gazette by the Central Government as Public Functionary. / संवैधानिक प्राधिकारी या केन्द्रीय सरकार द्वारा राजपत्र में लोक कृत्यकारी के रूप में अधिसूचित कोई अन्य कृत्यकारी।
- (4) The Authorities or any other Functionaries, prescribed in the schedule of the act as Public Functionary. / प्राधिकारी या अन्य कृत्यकारी, जिन्हें अधिनियम की अनुसूची में प्राधिकारी के रूप में दर्शाया गया है।

Ans. [3]

54. Under which of the following section, punishment of community service is not prescribed in the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023? / निम्न में से, भारतीय न्याय संहिता, 2023 की कौनसी धारा के अन्तर्गत सामुदायिक सेवा का दण्ड निर्धारित नहीं है?

- (1) Section 202 / धारा 202
- (2) Section 209 / धारा 209
- (3) Section 226 / धारा 226
- (4) Section 354 धारा 354

Ans. [4]

55. Under the provisions of the Rajasthan Excise Act, 1950, except with the special sanction of the State Government, no Magistrate shall take cognizance of any offence punishable under the Act, unless the prosecution is instituted within ----- after the date on which the offence is alleged to have been committed. / कोई भी मजिस्ट्रेट राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 के अधीन दण्डनीय किसी भी अपराध का संज्ञान राज्य सरकार की विशेष मंजूरी के बिना तब तक नहीं करेगा, जब तक कि अभियोजन उस तारीख के पश्चात् -----के भीतर संस्थित नहीं कर दिया गया हो, जिसको कि अपराध का किया गया होना अभिकथित है।

- (1) three years / तीन वर्ष
- (2) six months / छः मास
- (3) two years / दो वर्ष
- (4) one year / एक वर्ष

Ans. [4]

56. According to the provisions of the Indian Evidence Act, 1872, "Fact in issue" means and include ----- / भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के प्रावधानों के अनुसार, "विवादक तथ्य" से अभिप्रेत है व इसके अंतर्गत आता है -----

- (1) all the relevant facts. / सभी सुसंगत तथ्य।
- (2) any fact from which, either by itself or in connection with other facts, the existence, non-





existence, nature or extent of any right, liability, or disability, asserted or denied in any suit or proceeding, necessarily follows. / ऐसा कोई भी तथ्य जिस अकेले ही से, या अन्य तथ्यों के संसर्ग में किसी ऐसे अधिकार, दायित्व या नियोग्यता के, जिसका किसी वाद या कार्यवाही में प्राख्यान या प्रत्याख्यान किया गया है, अस्तित्व, अनस्तित्व, प्रकृति या विस्तार की उपपत्ति अवश्यमेव होती है।

- (3) the facts which, if not proved, the party asserting thereto, will fail. / वे तथ्य जो यदि सिद्ध न किए जाएं तो उन पर दावा करने वाला पक्षकार असफल हो जाएगा।
- (4) all the relevant facts, judicially noticeable facts and the facts to which the court is bound to presume under any law for the time being in force. / सभी सुसंगत तथ्य, न्यायिक रूप से अपेक्षणीय तथ्य तथा वे तथ्य जिनके बारे में न्यायालय तत्समय प्रवृत्त विधि के अन्तर्गत उपधारणा करने के लिए बाध्य है।

Ans. [2]

57. According to section 21 of the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015, no child in conflict with law shall be sentenced to -----, without the possibility of release, for any such offence, either under the provisions of the act or under the provisions of the Indian Penal Code (45 of 1860) or any other law for the time being in force. / किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 21 के अनुसार, विधि का उल्लंघन करने वाले किसी बालक को इस अधिनियम के उपबंधों के अधीन या भारतीय दण्ड संहिता (1860 का 45) या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के उपबंधों के अधीन ऐसे किसी अपराध के लिए छोड़े जाने की संभावना के बिना ----- का दण्डादेश नहीं दिया जाएगा।

- (1) death or for life imprisonment / मृत्यु या आजीवन कारावास
- (2) death or for life imprisonment or rigorous imprisonment for a term not less than ten years / मृत्यु या आजीवन कारावास या ऐसे कठोर कारावास जिसकी अवधि दस वर्ष से कम नहीं होगी
- (3) death or for life imprisonment or simple imprisonment for a term not less than Seven years / मृत्यु या आजीवन कारावास या ऐसे सादा कारावास जिसकी अवधि सात वर्ष से कम नहीं होगी
- (4) death or for life imprisonment or rigorous imprisonment for any term / मृत्यु या आजीवन कारावास या किसी भी अवधि के कठोर कारावास

Ans. [1]

58. What is the extent of the Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005? / घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 का विस्तार क्या है?

- (1) It extends to the whole of India. / इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है।
- (2) It extends to the whole of India except the State of Nagaland. / इसका विस्तार नागालैण्ड राज्य को छोड़कर सम्पूर्ण भारत पर है।

- (3) It extends to the whole of India except the Union Territory of Jammu and Kashmir. / इसका विस्तार केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर को छोड़कर सम्पूर्ण भारत पर है।
- (4) It extends to the whole of India except the Union Territory of Jammu and Kashmir and the State of Nagaland. / इसका विस्तार केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर तथा नागालैण्ड राज्य को छोड़कर सम्पूर्ण भारत पर है।

Ans. [1]

59. A Court of Session taking cognizance of an offence under Sub-Section (2) of section 199 of the Code of Criminal Procedure, 1973, shall try the case in accordance with the procedure for the ----- / दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 199 उपधारा (2) के अधीन अपराध का संज्ञान करने वाला सेशन न्यायालय मामले का विचारण -----

- (1) trial of warrant cases instituted on a police report before a Court of Magistrate. / मजिस्ट्रेट के न्यायालय के समक्ष पुलिस रिपोर्ट पर संस्थित किए गए वारण्ट केस के विचारण की प्रक्रिया के अनुसार करेगा।
- (2) trial of warrant cases instituted otherwise than on a police report before a Court of Magistrate. / मजिस्ट्रेट के न्यायालय के समक्ष पुलिस रिपोर्ट से भिन्न आधार पर संस्थित किए गए वारण्ट केस के विचारण की प्रक्रिया के अनुसार करेगा।
- (3) Sessions Trial. / सेशन विचारण की प्रक्रिया के अनुसार करेगा
- (4) trial of Summons cases instituted otherwise than on a police report before a Court of Magistrate, / मजिस्ट्रेट के न्यायालय के समक्ष पुलिस रिपोर्ट से भिन्न आधार पर संस्थित समन केस के विचारण की प्रक्रिया के अनुसार करेगा।

Ans. [2]

60. As per the provisions of the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023, wherever the word "month" or the word "year" is used, it is to be understood that the month or the year is to be reckoned according to the -- भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों के अन्तर्गत, जहां कहीं भी शब्द "माह" या शब्द "वर्ष" का प्रयोग हुआ है, वहां यह समझा जाएगा कि मास या वर्ष की गणना

- (1) Gregorian Calendar / ग्रेगोरियन कलेंडर के अनुसार की जानी है।
- (2) Assyrian Calendar / असीरियन कलेंडर के अनुसार की जानी है।
- (3) Indian National Calendar / भारतीय राष्ट्रीय कलेंडर के अनुसार की जानी है।
- (4) Hebrew Calendar / हिब्रू कलेंडर के अनुसार की जानी है।

Ans. [1]

61. For the purposes of Section 1 of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023, "Tribal Area" means the territories which immediately before the.... were included in the tribal areas of Assam, as referred to in paragraph 20 of the Sixth Schedule to the Constitution, other than those within the local





limits of the municipality of Shillong. / भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 1 के उद्देश्यों से "जनजाति क्षेत्र" से अभिप्रेत है, राज्यक्षेत्र, जो----- के ठीक पहले, संविधान की छठी अनुसूची के पैरा 20 में यथानिर्दिष्ट असम के जनजाति क्षेत्रों में सम्मिलित थे और जो शिलांग नगरपालिका की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों से भिन्न हैं।

- (1) 21st day of January, 1972 / 21 जनवरी, 1972
- (2) 26th day of January, 1948 / 26 जनवरी, 1948
- (3) 15th day of August, 1947 / 15 अगस्त, 1947
- (4) 18th day of January, 1951 / 18 जनवरी, 1951

Ans. [1]

62. No Court of Session shall take cognizance of an offence under sub-section (2) of section 222 of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023, unless the complaint is made within from the date on which the offence is alleged to have been committed. / कोई सेशन न्यायालय भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 222 उपधारा (2) के अधीन किसी अपराध का संज्ञान नहीं ले सकेगा, जब तक कि परिवाद उस तारीख से के भीतर न कर दिया जाता है, जिसको उस अपराध का किया जाना अभिलिखित है।

- (1) one year / एक साल
- (2) one month / एक माह
- (3) three years / तीन साल
- (4) six months / छः माह

Ans. [4]

63. Which of the following statement is correct with regard to the procedure and powers of Special Court under the Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012? / लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के अन्तर्गत विशेष न्यायालयों की प्रक्रिया और शक्तियों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है?

- (1) Special Court cannot take cognizance of any offence, without the accused being committed to it for trial upon receiving a complaint of facts which constitute such offence. / विशेष न्यायालय अभियुक्त को विचारण के लिए सुपुर्द किए बिना किसी अपराध का संज्ञान ऐसे अपराध का गठन करने वाले तथ्यों का परिवाद प्राप्त होने पर नहीं ले सकेगा।
- (2) The Special Court may not permit frequent breaks for the child during the trial. / विशेष न्यायालय विचारण के दौरान बालक का बार-बार विराम अनुज्ञात नहीं कर सकेगा।
- (3) The Special Court shall ensure that the identity of the child is not disclosed at any time during the course of investigation or trial but the identity of the child shall not include the identity of the child's school. / विशेष न्यायालय यह सुनिश्चित करेगा कि अन्वेषण या विचारण के दौरान किसी भी समय बालक की पहचान प्रकट नहीं की जाए परन्तु बालक की पहचान में बालक के विद्यालय की पहचान सम्मिलित नहीं होगी।
- (4) The Special Public Prosecutor, or as the case may be, the counsel appearing for the accused

shall, while recording the examination-in-chief, cross-examination or re-examination of the child, communicate the questions to be put to the child to the Special Court which shall in turn put those questions to the child. / यथास्थिति, विशेष लोक अभियोजक या अभियुक्त के लिए उपसंजात होने वाला अधिवक्ता बालक की मुख्य परीक्षा, प्रतिपरीक्षा या पुनःपरीक्षा अभिलिखित करते समय बालक से पूछे जाने वाले प्रश्नों को, विशेष न्यायालय को संसूचित करेगा जो क्रम से उन प्रश्नों को बालक के समक्ष रखेगा।

Ans. [4]

64. Which of the following is incorrect with regard to licence to issue Electronic Signature Certificates under the Information Technology Act, 2000? / सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत, इलेक्ट्रॉनिक चिह्नक प्रमाणपत्र जारी करने के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है?

- (1) A licence granted under section 21 of the Information Technology Act, 2000 shall be valid for such period as may be prescribed by the Central Government. / सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 21 के अधीन अनुदत्त कोई अनुज्ञप्ति ऐसी अवधि के लिए विधिमान्य होगी, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विहित की जाए।
- (2) A licence granted under section 21 of the Information Technology Act, 2000 shall not be transferable or heritable. / सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 21 के अधीन अनुदत्त कोई अनुज्ञप्ति अंतरणीय या वंशागत नहीं होगी।
- (3) A licence granted under section 21 of the Information Technology Act, 2000 shall be subject to such terms and conditions as may be specified by the regulations. / सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 21 के अधीन अनुदत्त कोई अनुज्ञप्ति ऐसे निबंधनों और शर्तों के अधीन होगी, जो विनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।
- (4) A licence granted under section 21 of the Information Technology Act, 2000 shall be valid for a period of one year which may be extended from time to time. / सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 21 के अधीन अनुदत्त कोई अनुज्ञप्ति एक वर्ष की अवधि के लिए विधिमान्य होगी, जिसे समय-समय पर बढ़ाया जा सकेगा।

Ans. [4]

65. 'A' sues 'B' for negligence in providing him with a car for hire not reasonably fit for use, whereby 'A' was injured.

Which of the followings statement is relevant? / 'क' ऐसी उपेक्षा के लिए 'ख' पर वाद लाता है जो 'ख' ने उसे युक्तियुक्त रूप से अनुपयोग्य गाड़ी भाड़े पर देने द्वारा की जिससे उसको क्षति हुई थी। निम्न में से कौनसा कथन सुसंगत है?

- (1) The fact that 'B's' attention was drawn on other occasions to the defect of that particular car is relevant. / ऐसा तथ्य कि विशिष्ट कार की त्रुटि की ओर अन्य अवसरों पर 'ख' का ध्यान आकृष्ट किया था, सुसंगत है।





- (2) The fact that 'B' was habitually negligent about the cars which he let to hire is relevant. / ऐसा तथ्य कि 'ख' उन कारों के बारे में, जिन्हें वह भाड़े पर देता था, अभ्यासतः उपेक्षावान था, सुसंगत है।
- (3) Both (1) & (2) are correct. / (1) तथा (2) दोनों सही हैं।
- (4) Both (1) & (2) are wrong. / (1) तथा (2) दोनों गलत हैं।

Ans. [1]

66. According to the provisions of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023, by whom amongst the following, the powers conferred upon any person or officer, may be withdrawn? / भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के प्रावधानों के अनुसार, किसी व्यक्ति या अधिकारी को प्रदत्त शक्तियाँ निम्न में से किसके द्वारा वापस ली जा सकती हैं?

- (1) the High Court only / केवल उच्च न्यायालय द्वारा
- (2) the State Government only / केवल राज्य सरकार द्वारा
- (3) the High Court or the State Government, as the case may be / यथास्थिति, उच्च न्यायालय या राज्य सरकार द्वारा
- (4) the Central Government or the State Government or the High Court, as the case may be यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या उच्च न्यायालय द्वारा

Ans. [3]

67. Under sections 98 and 99 of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita, 2023, "newspaper" and "book" have the same meanings - भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 98 और 99 के अन्तर्गत, "समाचारपत्र" और "पुस्तक" से वे ही अर्थ हैं जो

- (1) as in the Press and Registration of Books Act, 1867. / प्रेस और पुस्तक रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1867 में है।
- (2) as in the Telecom Regulatory Authority of India Act, 1997. / भारतीय दूर-संचार विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997 में है।
- (3) as in the Press Council Act, 1978. / प्रेस परिषद् अधिनियम, 1978 में है।
- (4) as in the Prasar Bharati (Broadcasting Corporation of India) Act, 1990. / प्रसार भारती (भारतीय प्रसारण निगम) अधिनियम, 1990 में है।

Ans. [1]

68. Sita and Gita purchased same necklaces from a jeweler shop. Sita committed theft of Gita's Necklace from her almirah and kept it in her almirah. Unaware of the missing of her necklace, one day, Gita opened the almirah of Sita with the intention of committing theft of her necklace and take away her own necklace assuming the same to be of Sita. Which of the following statement is correct? / सीता और गीता एक सुनार की दुकान से एक जैसे हार क्रय करती हैं। सीता, गीता के हार की चोरी उसकी अलमारी में से करती है तथा उसे अपनी अलमारी में रखती है। हार के गुम हो जाने से अनभिज्ञ, एक दिन, गीता, सीता की अलमारी उसका हार चोरी करने

के आशय से खोलती है तथा अपने हार को ही सीता का हार समझते हुए ले जाती है निम्न में से कौनसा कथन सही है?

- (1) Gita went there with intention to commit theft of Sita's necklace and took the same assuming it to be of Sita, hence, she has committed the offence of theft. / गीता वहां सीता के हार की चोरी करने के आशय से गई थी तथा उसे सीता का समझते हुए ले गई इसलिए उसने चोरी का अपराध कारित किया है।
- (2) She has committed no offence. / उसने कोई अपराध कारित नहीं किया है।
- (3) Gita dishonestly removes the movable property, from the possession of Sita without her consent, hence, Gita has committed the offence of theft. / गीता ने सीता के कब्जे से उसकी सहमति के बिना चल सम्पत्ति को बेईमानीपूर्वक हटाया है इसलिए गीता ने चोरी का अपराध कारित किया है।
- (4) However, Gita has committed the offence of theft but neither she nor Sita will be prosecuted for the offence of theft because their acts shall be treated as equalizer of each other's act. / हालांकि, गीता ने चोरी का अपराध कारित किया है परन्तु न तो वह ना ही सीता को चोरी के लिए अभियोजित किया जाएगा क्योंकि उनके कृत्य एक-दूसरे के कृत्य के तुल्यकारक के रूप में माने जाएंगे।

Ans. [2]

69. Under the provisions of the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013, in relation to a workplace, "aggrieved woman" means / महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत, किसी कार्यस्थल के सम्बन्ध में, "व्यथित महिला से अभिप्रेत है

- (1) a woman of 18 or more than 18 years of age, whether employed or not, who alleges to have been subjected to any act of sexual harassment by the respondent. / 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की ऐसी महिला, चाहे नियोजित हो या नहीं, जो प्रत्यर्थी द्वारा लैंगिक उत्पीड़न के किसी कार्य के अध्यक्षीन रहने का अभिकथन करती है।
- (2) an employed woman of any age, who alleges to have been subjected to any act of sexual harassment by the respondent. / किसी भी आयु की एक नियोजित महिला, जो प्रत्यर्थी द्वारा लैंगिक उत्पीड़न के किसी कार्य के अध्यक्षीन रहने का अभिकथन करती है।
- (3) an employed woman of 18 or more than 18 years of age, who alleges to have been subjected to any act of sexual harassment by the respondent. / 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की नियोजित महिला, जो प्रत्यर्थी द्वारा लैंगिक उत्पीड़न के किसी कार्य के अध्यक्षीन रहने का अभिकथन करती है।
- (4) a woman of any age whether employed or not, who alleges to have been subjected to any act of sexual harassment by the respondent. / किसी भी आयु की ऐसी महिला, चाहे नियोजित हो या नहीं, जो प्रत्यर्थी





द्वारा लैंगिक उत्पीड़न के किसी कार्य के अध्यक्ष रहने का अभिकथन करती है।

Ans. [4]

70. According to section 80 of the Negotiable Instruments Act, 1881, what would be the interest, when no rate of interest is specified in the instrument? / परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 80 के अनुसार, जबकि लिखत में कोई ब्याज दर विनिर्दिष्ट नहीं है, तब ब्याज क्या होगा?

- (1) Six percent per annum / छः प्रतिशत वार्षिक
- (2) Ten percent per annum / दस प्रतिशत वार्षिक
- (3) Twelve percent per annum / बारह प्रतिशत वार्षिक
- (4) Eighteen percent per annum / अठारह प्रतिशत वार्षिक

Ans. [4]

71. निम्न में से किस विकल्प के सभी शब्द तद्भव हैं?

- (1) घोड़ा, चक्रवाक
- (2) छेद, चोंच
- (3) चाम, चित्रक
- (4) घी, चंद्र

Ans. [2]

72. 'छँटाक चून चौबारे रसोई' लोकोक्ति का उपयुक्त अभिप्राय है -

- (1) झूठा दिखावा और शान
- (2) सीमित संसाधन
- (3) प्रदर्शन का आग्रह
- (4) अयोग्य व्यक्ति को अधिक प्राप्ति

Ans. [1]

73. मनोविकार सूचित करने में यदि प्रश्रवाचक शब्द आये तो कथन की पूर्णता पर प्रयुक्त चिह्न होगा

- (1) विस्मयादि बोधक
- (2) प्रश्रवाचक
- (3) पूर्ण विराम
- (4) अर्ध विराम

Ans. [1]

74. निम्न में से संधि की दृष्टि से कौनसा विकल्प सही है?

- (1) एक + एक = एकेक
- (2) समुद्र + ऊर्मि = समुद्रोर्मि
- (3) मही + इन्द्र = महेन्द्र
- (4) मत + ऐक्य = मतेक्य

Ans. [2]

75. विलोम शब्द की दृष्टि से कौनसा विकल्प बेमेल है?

- (1) ग्राह्य - त्याज्य
- (2) गौरव गरिमा
- (3) गरल - सुधा
- (4) जंगम - स्थावर

Ans. [2]

76. साधारण वाक्य का उदाहरण नहीं है -

- (1) शास्त्री जी को सभापति बनाया गया।
- (2) दिन का थका हुआ आदमी रात को खूब सोता है।
- (3) जो काम तुम्हें दिया गया है उसे देखो।

(4) यज्ञदत्त देवदत्त को व्याकरण पढ़ाता है।

Ans. [3]

77. 'न तीन में न तेरह में लोकोक्ति का निकटतम अर्थ है

- (1) अत्यन्त तुच्छ और नगण्य व्यक्ति।
- (2) कोई सम्बन्ध नहीं रखना।
- (3) झगड़े की जड़ को नष्ट कर देना।
- (4) न लोक ही सुधरा, न परलोक ही।

Ans. [1]

78. कौनसा शब्द शुद्ध है?

- (1) ऊर्ध्व
- (2) इंदरा
- (3) श्रंगार
- (4) इंदू

Ans. [1]

79. 'पत्ते सूख रहे हैं इसलिए वे पीले दिखाई देते हैं।' उपरोक्त वाक्य का प्रकार है

- (1) मिश्र वाक्य
- (2) साधारण वाक्य
- (3) सरल वाक्य
- (4) संयुक्त वाक्य

Ans. [1]

80. इनमें से किस विकल्प के सभी शब्द सदैव बहुवचन में ही प्रयुक्त होते हैं?

- (1) लोग, घोड़ा
- (2) आँसू, पानी
- (3) धन, दाम
- (4) प्राण, दर्शन

Ans. [4]

81. शुद्ध वाक्य नहीं है

- (1) अपना आचरण और सभ्यता को बचाने का प्रयत्न करें।
- (2) इस पेशे के लोग कम मिलेंगे।
- (3) उन्हें चार घोड़ों और एक बैल का दाम मिला।
- (4) उसके अच्छेपन का प्रभाव पड़ा।

Ans. [1]

82. किस मुहावरे का अभिप्राय त्रुटिपूर्ण है?

- (1) नाम धरना = बदनाम करना
- (2) नाम निकल जाना = नामकरण संस्कार करना
- (3) नाम मिटना = कीर्ति का लोप होना
- (4) नाम पर धब्बा लगना = यश पर लांछन लगना

Ans. [2]

83. किस विकल्प में विराम-चिह्न उपयुक्त प्रयुक्त हुए हैं?

- (1) हिन्दुस्तान की राजधानी बताओ। रामचन्द्र जी की कहानी लिखो।
- (2) हिन्दुस्तान की राजधानी बताओ? रामचन्द्र जी की कहानी लिखो?
- (3) हिन्दुस्तान की राजधानी बताओ। रामचन्द्र जी की कहानी लिखो?
- (4) हिन्दुस्तान की राजधानी बताओ? रामचन्द्र जी की कहानी लिखो।

Ans. [1]

84. निम्न में से किस विकल्प में 'उन' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है?

- (1) उन्नायक





- (2) उन्मत्त
(3) उन्तीस
(4) उन्मीलित

Ans. [*]

- (3) evaporated
(4) have evaporated

Ans. [1]

85. 'दाम चुकाना मुहावरे का निकटतम अर्थ है --

- (1) मूल्य देना
(2) मूल्य में बढ़ोतरी होना
(3) ऋण आदि का पैसा जोड़कर देना
(4) मूल्य मिलना

Ans. [1]

91. Choose appropriate antonym for 'Quotidian':

- (1) Mundane
(2) Extraordinary
(3) Sublunary
(4) Prosaic

Ans. [2]

86. Choose appropriate determiners for the following sentence:

She showed me..... beautiful pictures from her vacation.

- (1) much
(2) each
(3) some
(4) little

Ans. [3]

92. Choose the correct meaning of the underlined Idiom.

We shall leave no stone unturned to make our new series on economics a success.

- (1) To obtain possession of
(2) In a state of uncertainty
(3) To do one's best for something
(4) To emphasise

Ans. [3]

87. Change the voice of the sentence:

Someone sent her a cheque for a thousand euros.

- (1) Someone has been sent a cheque for a thousand euros.
(2) She was sent a cheque for a thousand euros.
(3) She had sent someone a cheque for a thousand euros.
(4) None of the above

Ans. [2]

93. Fill in the blank with the correct Idiom and Phrases. Please this word in a Dictionary.

- (1) look upon at
(2) look up
(3) look to
(4) look after

Ans. [2]

88. Which of this is not a synonym of "DEBACLE"?

- (1) DISASTER
(2) CATASTROPHE
(3) DISPUTE
(4) DEVASTATION

Ans. [3]

94. Choose appropriate conjunctions for the following sentence:

Sarah completed her report she had to stay late to get it done.

- (1) so that
(2) because
(3) even though
(4) unless

Ans. [3]

89. Put the correct form of the verb to complete the sentence.

I suppose that when I come back in ten years' time, all these old houses (be) pulled down.

- (1) Will be
(2) Will have been
(3) Have been
(4) Shall be

Ans. [2]

95. Fill in the blank with the correct determiner. We have very information.

- (1) more
(2) many
(3) little
(4) few

Ans. [3]

90. Fill in the blank with the correct option.

Near the equator, the Sun..... greater quantities of water.

- (1) evaporates
(2) is evaporating

96. Fill in the blank with the correct Article. The children are making noise.

- (1) a
(2) Zero Article
(3) an
(4) the





Ans. [*]

97. Fill in the blank with the correct option.
They..... me medication to help me relax.
- (1) will give
 - (2) given
 - (3) gave
 - (4) had gave

Ans. [*]

98. Identify the voice that is used in the following sentence:
He resembled his father in so many ways.
- (1) Passive Voice
 - (2) Active Voice
 - (3) All of the above
 - (4) Neither of the above

Ans. [2]

99. Choose the correct meaning of the underlined Idiom.
He spoke in such a listless manner that his speech fill flat on the audience.
- (1) Fail to create any interest/effect
 - (2) Face criticism
 - (3) Unexpectedly provocative
 - (4) Unsuccessful in an enterprise

Ans. [*]

100. Fill in the blank with the correct determiner.
applicant has seven choices.
- (1) More
 - (2) Many
 - (3) Any
 - (4) Each

Ans. [4]

